

संयुक्त राष्ट्र संघ ने सभावशी शिक्षा के सम्बन्ध में सन् 1994 में स्पेन के सालामन्का में सम्पन्न कन्फ्रेंस में पारित लक्ष्य तथा कार्यन्वयन प्रारूप को आधार बनाया है। इसके अनुसार स्कूल के बच्चों की शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, संवेगात्मक या अन्य दशाओं पर ध्यान दिये बिना सभी को प्रविष्ट करना चाहिए। विभेदकारी दृष्टिकोण को समाप्त करने, स्वागत योग्य समुदाय का निर्माण करने, सभावशिक समाज का निर्माण करने तथा सभी की शिक्षा सुलभ कराने के लिए सभावशिक अभिविद्यालय वाले नियमित स्कूल सर्वाधिक प्रभावशाली साधन हैं। वस्तुतः सभावशिक शिक्षा शिक्षा संस्थाओं के शैक्षिक तथा सामाजिक वातावरण के उन्नयन की एक योजना है जो विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों सहित सभी क्षेत्रों के लिए आनन्ददायक अधिष्ठापन माहौल बनाने पर केन्द्रित रहती है। विविधतापूर्ण शिक्षण से प्रभावी दुर्बल व स्थायी अधिष्ठापन हेतु उन्नत वातावरण, समाजीकरण सम्प्रेषण व अन्तर्विद्यात्मक सम्बन्धों का विकास, सहयोग मित्रता व परनिर्भरता की भावना का विकास वास्तविक अंगत-से सम्पर्क व सम्प्रेषण के अपसर मनोरंजन के व्यापक साधनों से परिचय तथा विकल्पों के प्रति